

साई बाबा भजन  
चिन्ता से भरा दिल साई को देदे  
तुझे दौनों जहां का सुख चैन मल्लिगा  
चिन्ता से भरा दिल साई को देदे

कभी दनि उजयारा कभी रैन अंधेरी  
कभी मन हरयाली कभी झोली खाली  
वो सब कुछ जाने कब क्या देना है  
हर पग पे करेगा तेरी रखवाली  
तू पकड़ के रखयो वशिवास कडोरी  
वो जहां मला था फरि वहीं मल्लिगा  
चिन्ता से भरा दिल.....

स्वीकार कया है हमें साई ने जब से  
खुद को पहचाना जग को पहचाना  
मुश्कलि से मल्लि है सदगुरू कचौखट  
मुश्कलि से मला है हमें एक ठकाना  
लगता है सभी हम कस्मिमत के धनी हैं  
अब एसी जगह से कहो कौन हल्लिगा  
चिन्ता से भरा दिल.....

हो सकता है इक दनि तुम्हें नीद आजाये  
तुम रोम-रोम को ज़रा बोल के रखना  
बंद भी हो जाएं जग के दरवाजे  
तुम मन की खड़िकी सदा खोल के रखना  
कसि रात मैं साई कब चुपके-चुपके  
अपने भक्तों से खुद आन मल्लिगा  
चिन्ता से भरा दिल साई को देदे

तुझे दौनों जहां का सुख चैन मल्लिगा  
फरि पतझड़ में भी तेरी बगया में  
साई तहमत का हर फूल खल्लिगा  
चिन्ता से भरा दिल साई को देदे